एक नजर में

गौरांश व सोमेश का राज्य स्तर पर चयन

शुजालपुर, 13 अक्टूबर. उमरिया में 14 अक्टूबर से आयोजित होने वाली 69वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा फुटबॉल प्रतियोगिता 14 वर्ष आयु वर्ग बालक के लिए शुजालपुर के दो खिलाड़ियों गौरांश पाटीदार और सोमेश गोयल का उज्जैन संभाग टीम में चयन हुआ है. खिलाड़ियों के चयन पर वरिष्ठ प्रशिक्षक राजेंद्र नायडू, खेल शिक्षक देवेंद्र कुंभकार, लोकेंद्र सिंह तोमर, संदीप सणस, मनीष रामडिया, किशोर खन्ना, अभिषेक सक्सेना, चेतन परमार, मनोज पाटिल, वीरेंद्र परमार, गजेंद्र पाटीदार, शुभम यादव, पीडी बैरागी, सुरेश कुमार मालवीय, नरेंद्र परमार, प्रशिक्षक सुशांत परमार, सौरभ कारपेंटर ने शुभकामनाएं और बधाई दी. इन खिलाड़ियों के चयन से क्षेत्र में खुशी का माहौल है. खेल प्रेमियों ने उम्मीद जताई है कि दोनों खिलाड़ी राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर शुजालपुर का नाम रोशन करेंगे.

जीवन में संघर्ष से आगे बढ़ना चाहिए

शुजालपुर, 13 अक्टूबर. मध्यप्रदेश जन परिषद अभियान ने शासकीय जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय शुजालपुर में पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती व्याख्यान माला तहत स्वदेशी जागरण संगोष्ठी का आयोजन किया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनभागीदारी अध्यक्ष आलोक खन्ना, सामाजिक कार्यकर्ता हरभान सिंह, एडवोकेट जितेंद्र गुरेनिया, स्वदेशी जागरण मंच जिला संयोजक हेमंत जायसवाल, ब्लॉक समन्वयक सीमा बैंडवाल, कमल सूर्यवंशी, दिनेश पुरबिया, जितेंद्र बैरागी, राजकुमार परमार, अरुणा परमार, अरविंद गुजराती, राहुल परमार एवं हरिओम जोहार उपस्थित रहे. जनभागीदारी अध्यक्ष खन्ना ने कहा कि आज के समय में नैतिक नेतृत्व की भावना और स्वदेशी विचारधारा को अपनाना आवश्यक है. उन्होंने कहा कि समाज में परिवर्तन के लिए भरोसा, प्रेम और स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है. सामाजिक कार्यकर्ता हरभान सिंह ने अपने प्रेरक संबोधन में जीवन में संघर्ष के महत्व को रेखांकित किया. उन्होंने कहा कि जैसे चूजा स्वयं संघर्ष करके अंडे से बाहर आता है. वैसे ही मनुष्य को भी जीवन में संघर्ष के माध्यम से आगे बढ़ना चाहिए. उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय को एक महान प्रतिभा बताया, जिनकी विचारधारा से अंत्योदय योजना जैसी योजनाएं प्रेरित हुई. एडवोकेट गुरेनिया ने बताया कि 1939 में पंडित दीनदयाल का संपर्क नानाजी देशमुख से आगरा में हुआ था और उन्होंने साथ मिलकर समाज उत्थान के अनेक कार्य किए. वे एक श्रेष्ठ पत्रकार भी रहे और अनेक पत्र-पत्रिकाएं प्रकाशित कीं. हेमंत जायसवाल ने विद्यार्थियों को जीवन में डायरी और कलम साथ रखने की प्रेरणा दी, ताकि वे उपयोगी जानकारी को नोट कर सकें और आत्मसात कर सकें. उन्होंने स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर बल देते हुए कहा कि यदि हर बेरोजगारी और आर्थिक संकट से निकलना है तो हमें स्वदेशी उत्पादों को अपनाना होगा.

भारतीय ज्ञान परम्परा की भूमिका पर सेमीनार हुआ

शुजालपुर, 13 अक्टूबर. भौतिकी एवं गणितीय विज्ञान की वर्तमान प्रवृत्तियां में भारतीय ज्ञान परंपरा की भूमिका पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार शासकीय महाविद्यालय शुजालपुर में हुआ. इस सेमीनार के प्रथम सत्र में विषय विशेषज्ञ तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय के डॉ. गौवर्धन सखाराम खाडेकर ने भौतिकी एवं गणितीय विज्ञान की वर्तमान प्रवृतियों में भारतीय ज्ञान परंपरा की भूमिका पर विस्तार से व्याख्यान प्रस्तुत किया. जिससे शोधार्थी विद्यार्थी एवं प्राध्यापक लाभान्वित हुए. डॉ. एलएस चौहान ने भारतीय काल गणना एवं सूर्य के वैज्ञानिक तथा आध्यात्मिक स्वरूप को स्पष्ट करते हुए बताया कि सूर्य देवता के रथ में जुते सात घोड़े समय के सात भागों और प्रकाश के सात रंगों के प्रतीक हैं. उन्होंने इसे भौतिक विज्ञान और भारतीय ज्ञान परंपरा की एक अद्भुत अवधारणा के रूप में प्रस्तुत किया, जहां भौतिक तत्वों और दार्शनिक विचारों का सुंदर समन्वय दिखाई देता है. द्वितीय सत्र में डॉ. राम प्रसाद प्रजापति स्कूल ऑफ फिजिकल साइंसेस जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली विषय विशेषज्ञ ने भारतीय ज्ञान परंपरा एवं आधुनिक भौतिकी के अंतर्संबंधों पर प्रभावशाली व्याख्यान प्रस्तुत किया. विषय विशेषज्ञ ने भारतीय ज्ञान प्रणाली, गणित और भौतिकी के प्राचीन सिद्धांतों को आधुनिक विज्ञान से जोड़ते हुए उनके वैज्ञानिक एवं तार्किक पक्ष पर विस्तृत प्रकाश डाला. उन्होंने बताया कि वेदों और उपनिषदों में निहित ज्ञान केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि प्रयोगात्मक और वैज्ञानिक दृष्टि से भी अत्यंत प्रासंगिक है. वक्ताओं ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि भारतीय चिंतन में प्रकृति, ऊर्जा और ब्रह्मांड के बीच का संतुलन आधुनिक भौतिकी की अनेक अवधारणाओं से मेल खाता है. विषय विशेषज्ञों ने भारतीय विज्ञान की समृद्ध परंपरा को नए वैज्ञानिक दृष्टिकोण से पुनः समझने की प्रेरणा दी तथा प्रतिभागियों को गहन अध्ययन के लिए प्रोत्साहित किया. सेमिनार के दौरान शोधार्थी एवं प्राध्यापकों ने भौतिकी एवं गणितीय विज्ञान की वर्तमान प्रवृतियों में भारतीय ज्ञान परंपरा की भूमिका विषय पर एवं उप विषयों पर शोध पत्र वाचन किया गया. इस अवसर पर जनभागीदारी अध्यक्ष, प्राचार्य सहित विद्यार्थी शोधार्थी एवं प्राध्यापक गण उपस्थित रहे.

आर्थिक सहायता स्वीकृत

शाजापुर, 13 अक्टूबर. कलेक्टर ऋजु बाफना ने जिले की गुलाना तहसील के ग्राम मंगलाज के निवासी राधेश्याम पाटीदार पिता हरिनारायण पाटीदार की 25 जून 2025 को कृषि कार्य, अपनी भूमि पर पशुओं के लिए बोई गई मक्का चरी में सिंचाई करने एवं पशुओं को पानी पिलाने के लिए मोटर स्टार्टर चालू करने के दौरान विद्युत करंट लगने से मृत्यु होने पर मृतक राधेश्याम के निकटतम वैध वारिसान पत्नी ऋतु बाला पाटीदार के लिए मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना 2008 के प्रावधानों के तहत 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है.

तृतीय त्रैमास की बैठक 16 को

शाजापुर, 13 अक्टूबर. कलेक्टर ऋजु बाफना की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम अंतर्गत जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की वर्ष 2026 के तृतीय त्रैमास की बैठक 16 अक्टूबर 2025 को सायं 04 बजे कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित की गई है. जनजातीय कार्य तथ अनुसूचित जाति कल्याण जिला संयोजक ने बताया कि बैठक में 1 से 30 जनवरी 2025 तक अन्य जिले एवं पुलिस विभाग से प्राप्त प्रकरणों की स्थिति के संबंध में समीक्षा की जाएगी.

हेलीकॉप्टर से हांक कर पकड़े जाएंगे काले हिरण व नीलगाय

दक्षिण अफ्रीका की बोमा पद्धति अपनाई जाएगी, 15 अक्टूबर से शुरू होगा अभियान

(अजय वर्मा) शुजालपुर. 13 अक्टूबर. शाजापुर जिले में वन विभाग की भूमि नहीं होने के बाद भी लगातार काले हिरण और नील गाय की संख्या बढ़ रही है, जो कि किसानों के लिए काफी परेशानी उत्पन्न कर रहे है. काले हिरण व नील गाय किसानों की मेहनत से उगाई फसल को बर्बाद करते है, इनकी रोकथाम के लिए लम्बे समय से किसानों द्वारा मांग की जा रही है. क्षेत्र से काले हिरण व नील गाय का रेसक्यू कर इन्हें कहीं और भेजने के लिए विगत चार पांच वर्षो से प्रयास हो रहे हैं.

बोमा पद्धति में इस तरह बनता है बाढ़ा

प्रदेश में पहली पहली बार राजस्व विभाग के क्षेत्र से काले हिरणों को बोमा पद्धति से पकड़ा जाने के लिए प्लान तैयार हुआ था, इस तरह की पद्धति राजस्थान में अपनाई जा चुकी है. शाजापुर जिले में काले हिरण व नील गाय को पकड़ने के लिए शुजालपुर रेंज से शुरूआत की जा रही है. जिसके लिए दक्षिण अफ्रीका की बोमा पद्धति अपनाई जाएगी. दक्षिण अफ्रीका से विश्व स्तरीय वन्य प्राणी से जुडी टीम वर्ष 2023 में आना थी लेकिन किसी कारण से यह अभियान टल गया था. बोमा तैयार करने के लिए साउथ अफ्रीका से सामग्री शाजापुर लगभग 15 माह पहले आ चुकी है. अब एक बार फिर इस अभियान को मूर्त रूप देते के लिए कार्यक्रम तय हुआ है. जिसके अनुसार 14 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका से लगभग 15 से 17 लोगों का दल क्षेत्र में पहुंचेगा और 15 अक्टूबर से इस अभियान की शुरूआत कालापीपल क्षेत्र के गांवों से होगी.

गांधी सागर अभ्यारण ले जाया जाएगा

मध्यप्रदेश के शाजापुर जिले से काले हिरणों को पकड़ने के बाद इन्हे गांधीसागर अभ्यारण में शिफ्ट किया जाएगा. सूत्रों के अनुसार प्रदेश के कुनो के बाद गांधीसागर में चीतें छोड़े जाने की प्रक्रिया तैयार होने के साथ ही चीतों के शिकार के लिए भी व्यवस्था करने का प्लान तैयार किया गया. इसमें अन्य वन क्षेत्रों के साथ ही शाजापुर जिले से काले हिरणों को पकडकर गांधी सागर क्षेत्र में छोड़े जाने की तैयारी की गई. बोमा पद्धति से हिरणों को पकड़ने के बाद सड़क मार्ग से इन्हे गांधी सागर ले जाया जाएगा.

कालापीपल विधायक ने की अपील

क्षेत्र में शुरू होने वाले अभियान को लेकर वन विभाग की टीम ने कालापीपल विधायक घनश्याम चन्द्रवंशी से भेंट कर उन्हें जानकारी दी. विधायक कालापीपल ने वीडियो जारी कर ग्रामीणजनों से इस अभियान में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि हिरणों के झुंड दिखाई देने पर वन विभाग को सूचित करें. आमजन के सहयोग के बिना यह अभियान सफल नहीं हो सकता और इस प्रक्रिया के दौरान ज्यादा भीड़ न जुटाए जिससे कि परेशानी हो.

ग्रामीणों से हो रहा संवाद

इस अभियान के तहत वन विभाग की टीम क्षेत्र के गांवों में किसानों के साथ निरंतर बैठक कर रही है. बताया जाता है कि कालापीपल के इमलीखेडा में प्रथम चरण में, जेठडा, डूंगलाय दूसरे चरण में व पोलायकलां तहसील के उमरसिंगी में तीसरा चरण होगा. ग्रामीणों के साथ वन विभाग के एसडीओ फतेह सिंह मिनामा, रेंजर रतनसिंह, डिप्टी रेंजर राजेश जावरिया, कन्हैयालाल, वन रक्षक हरिश सक्सेना, प्रदीप विश्वकर्मा आदि संवाद कर रहे है.

टीम तय करेगी स्थान...

वन विभाग ने क्षेत्र में हिरणों को रेसक्यू करने के लिए जो प्लान तैयार किया है उसके तहत कालापीपल क्षेत्र के इमलीखेडा में हेलिकॉप्टर उतरने के लिए हेलीपेड तैयार है, साथ ही 10 स्थान और चिन्हित किए है, जहां पर हेलिकॉप्टर को उतारा जा सके, हालांकि इन स्थानों को दक्षिण अफ्रीका से आने वाले टीम के निरीक्षण के बाद फाइनल किया जाएगा.

जिले में लगभग 20 हजार हिरणों की संख्या...

शाजापुर जिले में हिरणों की संख्या अनुमानित 20 हजार तथा 2 हजार नील गाय है, सूत्रों के अनुसार वन विभाग को शुरूआती अभियान में 400 काले हिरण व 100 नील गाय का रेसक्यू करने की अनुमति केन्द्र से मिली है. बता दे हिरणों के प्रत्येक झुंड में काले हिरण की संख्या 1 या 2 ही रहती है, काले हिरण नर होते है. जिनका रेसक्यू करने से हिरणों की बढ़ती संख्या पर रोकथाम हो जाएगी. क्षेत्र में किसानों द्वारा लम्बे समय से हिरणों को हटाने की मांग उठती आ रही है, क्षेत्र में जब यह अभियान चलेगा तब प्रदेश व जिले के वन विभाग से जुडे अधिकारी भी मौजूद रहेंगे.

हेलीकॉप्टर से जानवरों को हांका जाएगा

खुले बड़े मैदानों व खेतों में जानवरों को एकत्रित करना काफी मुश्किल भरा होता है, इसके लिए जो प्रक्रिया अपनाई जाती है वह बोमा पद्धति होती है, जो कि दक्षिण अफ्रीका में काफी लोकप्रिय है. इसमें जानवरों को हेलिकॉप्टर के माध्यम से हॉका जाता है और इसके लिए एक बड़े क्षेत्र में पर्दे की दीवार बनाई जाती है, जिसके घेरे में यह जानवर हेलिकॉप्टर से घेर कर लाए जाते है और इन्हे ट्रकों के माध्यम से दूसरे स्थान पर भेजा जाता है.

इनका कहना है

उम्मीद है कि 15 अक्टूबर तक साउथ अफ्रिका से टीम आ जाएगी. इसके बाद जिले से ब्लैक बग और नीलगाय को बोमा पद्धति से पकड़ा जाएगा. इसके लिए तैयारियां जारी हैं. शुजालपुर कालापीपल क्षेत्र में ब्लैक बग की संख्या ज्यादा हैं. इसलिए संभावना है कि सबसे पहले वहीं पर इस प्रक्रिया को किया जाएगा. शाजापुर में भी कुछेक स्थान पर प्रक्रिया चल सकती हैं.

- हेमलता शाह डीएफओ, शाजापुर

महाभंडारे का हुआ आयोजन, भक्तों ने लिया प्रसाद

बड़ौद, 13 अक्टूबर. विकासखंड के ग्राम बरखेड़ा स्थित मां दूधाखेड़ी माता मंदिर में रविवार शाम को महाभंडारे का आयोजन किया गया. इसमें सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे. यह भंडारा उन श्रद्धालुओं ने आयोजित किया जाता है जिनकी मनोकामनाएं पूर्ण गई हैं. ग्रामीण श्यामसिंह परिहार लोटिया किशना ने बताया कि मां दूधाखेड़ी मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र है. जहां प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं.

मान्यता है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई मुरादें पूरी होती है. यह भी कहा जाता है कि माता की परिक्रमा और आशीर्वाद से लकवा, मानसिक परेशानी और अन्य गंभीर रोगों से पीड़ित व्यक्ति भी स्वस्थ होकर लौटते हैं. पुजारी देवीलाल के अनुसार, काल्या खेड़ी की शाम बाई, जिनके हाथ पैर काम नहीं कर रहे थे, मंदिर से स्वस्थ होकर घर लौटी. शंभू सिंह लोटिया किशना, विजय कुमार जैन, रामलाल और खुशहाल बाई लीला बाई सहित अनेक रोगियों को माता के आशीर्वाद से स्वास्थ लाभ हुआ. दूर-दूर से श्रद्धालु यहां उपचार के लिए आते हैं और स्वस्थ होने पर प्रसादी का भोग लगाते हैं. माता रानी के दरबार में भंडारे का आयोजन मुख्य रूप से वही श्रद्धालु करते हैं. जिनकी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है. वे माता रानी के दरबार में आकर भंडारे का आयोजन कर प्रसादी वितरण करते हैं. इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के लोग उपस्थित रहते हैं. क्षेत्रीय विधायक मधु गहलोत भी इस अवसर पर मौजूद रही. विधायक मधु गहलोत ने कहा कि मां दूधाखेड़ी के दरबार में आकर आत्मिक शांति मिलती है. यहां की सकारात्मक ऊर्जा और भक्तों की आस्था देखकर मन प्रसन्न हो जाता है. इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष विजय लक्ष्मी तंवर, नगर परिषद अध्यक्ष मंजू सचिन लववंशी, उपाध्यक्ष लाल सिंह राजपूत सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, महिलाएं युवा और भक्तगण उपस्थित रहे.

मतदाता सूची का प्रकाशन एवं दावों आपत्ति की प्रक्रिया प्रारंभ

बडौद, 13 अक्टूबर. राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगर पालिकाओं एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता की सूची का प्रकाशन कर दिया गया है.

इसके अंतर्गत 8 अक्टूबर से 17 अक्टूम्बर तक दावे एवं आपत्ति प्रस्तुत की जा सकती है. जो व्यक्ति 1जनवरी2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं वे अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने हेतु दावा प्रस्तुत कर सकते हैं. यदि किसी व्यक्ति का नाम 2 स्थानों की मतदाता सूचियों में दर्ज होगया है तो ऐसी प्रविष्टि के विरूद्ध आपत्ति प्रस्तुत कट नाम विलोपित किया जा सकता है. दावे आपत्तियां प्रस्तुत के करने की अंतिम तिथी 17 अक्टूबर 2025 है. बडौद भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह ने समस्त वार्ड अध्यक्षगण नगर पालिका एवं नगर परिषद की मतदाता सूचियां सम्पर्क कर प्राप्त कर सकते हैं तथा अवलोकन कर सकते हैं.

कॉलेज में दो दिवसीय युवा उत्सव का शुभारंभ

शुजालपुर, 13 अक्टूबर. जवाहरलाल नेहरू स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय शुजालपुर में सोमवार को भारतीय ज्ञान परंपरा, आईक्यूएसी के अंतर्गत एवं उच्च शिक्षा विभाग के निर्धारित वार्षिक कैलेंडर के अनुसार महाविद्यालय स्तरीय दो दिवसीय युवा उत्सव सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार शर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं विशेष अतिथि डॉ. बीके त्यागी, युवा उत्सव प्रभारी डॉ. राजरानी खुराना तथा समिति के सदस्यों की उपस्थिति में हुआ.

कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए डॉ. खुराना ने विद्यार्थियों को युवा उत्सव के उद्देश्य और उसके जीवन में महत्व के बारे में बताया. अतिथियों का स्वागत भाषण आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर डॉ. बीके त्यागी ने दिया. उन्होंने विद्यार्थियों को युवा उत्सव में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया. प्राचार्य डॉ. शर्मा ने कहा कि युवा उत्सव विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और व्यक्तित्व निखारने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है. इस आयोजन के माध्यम से छात्र-छात्राएं प्रतिस्पर्धात्मक भावना के साथ-साथ नेतृत्व, सहयोग और सृजनशीलता जैसे गुणों को आत्मसात करते हैं. उन्होंने सभी विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करें और अपने कौशल का प्रदर्शन करें.

सांस्कृतिक गतिविधियां हुईं

महाविद्यालय के विज्ञान भवन प्रांगण में युवा उत्सव तहत एकल गायन शास्त्रीय, एकल गायन सुगम एकल गायन पाश्चात्य समूह गान भारतीय राष्ट्रभक्ति एवं लोकगीत समूह गान पाश्चात्य शास्त्रीय एकल वादन परकशन एवं नॉन परकशन जैसी प्रस्तुतियां हुई. इसी प्रकार सांस्कृतिक कार्यक्रमों में एकल नृत्य शास्त्रीय,, समूह नृत्य लोक नृत्य आदिवासी नृत्य, एकांकी, मूक अभिनय माइम स्किट हास्य नाटिका एवं मिमिक्री जैसी प्रतियोगिताएं उत्साहपूर्वक आयोजित की गई.

सिविल न्यायालय को लेकर हलचल

बड़ौद, 13 अक्टूबर. विगत दिनों अभिभाषक संघ बड़ौद के प्रतिनिधि मंडल ने इंदौर पहुंचकर माननीय उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय संजीव सचदेवा एवं पोर्टफोलियो जज न्यायाधीश पीके द्विवेदी से मुलाकात कर बड़ौद मे व्यवहार न्यायालय खोलने की मांग की गई थी, जिस पर माननीय उच्च न्यायालय ने जिला न्यायालय आगर मालवा से जिले सबसे बड़ी तहसील बड़ौद में व्यवहार न्यायालय की नियमित लिंक व्यवहार न्यायालय स्थापित किया जाना है.

जिसको लेकर तहसीलदार बड़ौद से न्यायालय हेतु भवन एवं न्यायाधीश के निवास के लिए शासकीय आवास एवं जनसंख्या की जानकारी मांगी गई है. बड़ौद तहसील के 66 हल्का पर 146 ग्राम आते हैं, इसमें निवासरत लोगों की जनसंख्या लगभग 1,25,000 अक्षरी सवा लाख लोग बड़ौद तहसील में है. बड़ौद तहसील मुख्यालय से अंतिम छोर का अंतिम ग्राम वराह, आकड़ी, सुहागढी आदि तहसील मुख्यालय से लगभग 20 किमी और जिला एवं अनुभाग से ये 40 से 50 किमी की दूरी है जिससे आमजन को समय के साथ आर्थिक मार भी पड़ती है. जबकी तहसील मुख्यालय पर शासकीय भवन कन्या हाईस्कूल, आलोट रोड़ बड़ौद, तहसील ग्राउंड पर बीआरसी भवन, डग रोड़ स्थित मांगलिक भवन आदि शासकीय भवनों का उपयोग न्यायालय के लिए हो सकता है. जिससे बड़ौद क्षेत्र की सवा लाख लोगों को तहसील मुख्यालय पर सरल न्याय का लाभ मिल सकेगा, जिसमें क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधियों का सहयोग भी आवश्यक है. न्यायालय की मांग अभिभाषक संघ बड़ौद द्वारा पिछले कई वर्षो से की जा रही है. तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान से भी मुलाकात की थी और वर्तमान में क्षैत्रीय विधायक, सांसद और प्रभारी मंत्री को ज्ञापन सौंप चुके हैं.

हाट बाजार की व्यवस्था को थाना प्रभारी ने किया दुरुस्त

मोहन बड़ोदिया, 13 अक्टूबर. मोहन बड़ोदिया थाना प्रभारी प्रेम किशोर व्यास ने सोमवार को मोहन बड़ोदिया थाने के सामने, बस स्टैण्ड सहित अन्य मार्गों पर सड़क के दोनों और श्रृंगार, रंगोली, ठेला व्यवसायियों सहित अन्य दुकानदारों को सड़क किनारे से दुकाने हटाने के लिए कहा और पास के अन्य खाली मैदान में दुकान संचालित करने के निर्देश दिए. ताकि सड़क पर जाम की स्थिति ना बने.

इस दौरान ग्राम पंचायत सरपंच को निर्देशित किया गया कि सड़क किनारे दोनों और चूना लाइन डालकर दुकानों का चिन्हांकन करें, ताकि सड़क मार्ग पर यातायात बाधित ना हो. इसके उपरांत सड़क किनारे के दुकान संचालकों ने अपनी दुकान पास के खाली मैदान में शिफ्ट की. इस दौरान मोहन बड़ोदिया थाना स्टाफ व ग्राम पंचायत के कर्मचारी मौजूद रहे. थाना प्रभारी प्रेम किशोर व्यास ने बताया कि निर्देश के बाद भी यदि व्यापारियों द्वारा दुकानें सड़क किनारे लगाई गई, तो चालानी कार्यवाही की जाएगी.

एक नजर में

स्व. हेमंत काबरा स्मृति 15 वर्ष आयु के अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता संपन्न

बेहतर प्रदर्शन कर रतलाम की टीम बनी विजेता

शाजापुर, 13 अक्टूबर. जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में फाइनल मैच रतलाम और उज्जैन के मध्य खेला गया. रतलाम में टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 144 रन बनाएं.

रतलाम की ओर से दक्ष सोनी ने सर्वाधिक 39 रन बनाएं. उज्जैन की ओर से अनुग्रह काले ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 6 विकेट हासिल किए. 144 रनों का पीछा करते हुए उज्जैन की टीम 130 रन पर सिमट गई. उज्जैन की ओर से अनुग्रह ने 38 रनों की पारी खेली. रतलाम के लिए मोहम्मद अली ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट हासिल किए. पहली पारी की बढ़त के आधार पर रतलाम की टीम विजेता बनी.

खिलाड़ियों एवं विजेता टीम को दी ट्राफी

प्रतियोगिता के समापन अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष आशीष नागर, महेश भावसार, नगर महामंत्री गोविंद नायक, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इरशाद खान, उज्जैन डिविजन के सेक्रेटरी सुरेंद्र काबरा, जिला क्रिकेट एसोसिएशन अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह भदोरिया द्वारा खिलाड़ियों एवं विजेता और विजेता टीम को ट्राफी प्रदान की गई. रुपेश प्रजापति को सभी अतिथियों के द्वारा पुष्पहार पहनकर स्वागत किया. कार्यक्रम का संचालन अशफाक खान द्वारा किया गया. आभार खलील खान द्वारा व्यक्त किया गया. उपरोक्त जानकारी जिला क्रिकेट एसोसिएशन सचिव मनोज आर्य द्वारा दी गई.